

आत्मा के सात मूल संस्कार दाग नहीं, दिव्यता पहचानें

आत्मा पर जमा हो गए हैं।

सबसे बड़ी भूल तब होती है, जब हम इन्हीं दागों को अपना स्वभाव मान लेते हैं। फिर हम कहते हैं – "मेरा स्वभाव ही ऐसा है।"

लेकिन आध्यात्मिकता कहती है – नहीं, यह आपका स्वभाव नहीं केवल एक संस्कार है और संस्कार बदला जा सकता है।

हर आत्मा मूलतः दिव्य है

हम अक्सर लोगों के व्यवहार को देखकर उनके बारे में स्थायी धारणा बना लेते हैं। कोई क्रोध करता है तो हम कहते हैं- "इसका स्वभाव ही गुस्सैल है।" कोई ईर्ष्या करता है तो उसे ईर्ष्यालु मान लेते है। लेकिन आध्यात्मिक ज्ञान हमें एक बिल्कुल नई दृष्टि देता है। वह कहता है- नकारात्मक संस्कार आत्मा का वास्तविक स्वभाव नहीं है, बल्कि केवल समय के साथ लगे हुए दाग है।

जैसे एक सफेद वस्त्र पर धूल या दाग लग जाए तो वस्त्र का मूल रंग नहीं बदलता, वैसे ही आत्मा का मूल स्वरूप सदैव पवित्र रहता है। हमें दाग को पहचानना है, आत्मा को नहीं।

आत्मा के सात मूल संस्कार

राजयोग के अनुसार प्रत्येक आत्मा अपने मूल स्वरूप में सात दिव्य संस्कारों से सम्पन्न है। ये संस्कार किसी धर्म, जाति या देश विशेष के नहीं, बल्कि प्रत्येक आत्मा की मूल संपत्ति हैं – पवित्रता, शांति, शक्ति, सुख, प्रेम, ज्ञान, आनंद यही आत्मा का वास्तविक परिचय है। जब ये गुण प्रकट होते है, तब जीवन सहज, मधुर और संतुलित बन जाता है।

दागों को पहचानना भी साधना है

क्रोध, चिंता, भय, ईर्ष्या, निंदा, तनाव, तुलना, प्रतियोगिता, मोह और घृणा – ये सभी आत्मा के मूल गुण नहीं है। ये केवल ऐसे संस्कार है, जो अनेक जन्मों की देह अभिमान की यात्रा में

हर नकारात्मक संस्कार का एक दिव्य विकल्प है

प्रकृति का नियम है कि अंधकार को हटाने के लिए प्रकाश लाना पड़ता है। उसी प्रकार नकारात्मक संस्कारों को दबाने से नहीं, बल्कि उनके विपरित दिव्य गुणों को जागृत करने से परिवर्तन आता है।

चिंता का स्थान ले निश्चिंतता।
क्रोध का स्थान ले शांति।
ईर्ष्या का स्थान ले शुभकामना।
तुलना का स्थान ले स्वमान।
प्रतियोगिता का स्थान ले सहयोग।
मोह का स्थान ले निष्काम प्रेम।

जब हम बार-बार इन श्रेष्ठ गुणों का अभ्यास करते है, तब धीरे-धीरे पुराने संस्कार कमजोर होने लगते है और आत्मा का मूल तेज प्रकट होने लगता है।

दूसरों को नहीं, उनके गुणों को देखना सीखें

हमारा मन दूसरो की कमियों पर बहुत जल्दी जाता है। लेकिन यदि हम हर आत्मा को उसके मूल स्वरूप से देखने का अभ्यास करें, तो हमारा दृष्टिकोण बदलने लगता है। यदि कोई व्यक्ति क्रोध में है, तो उसके लिए मन ही मन संकल्प करें – "आप शांत स्वरूप आत्मा है।"

यदि कोई निराश है, तो उसके लिए शुभभावना रखें।

"आप शक्तिशाली आत्मा हैं, आप सदा प्रसन्न रहें।"

ऐसे संकल्प केवल शब्द नहीं होते; वे सूक्ष्म ऊर्जा बनकर वातावरण को भी प्रभावित करते है, शुभ भावना देना स्वयं को भी ऊँचा उठाता है।

दैनिक आत्म परीक्षण

दिन समाप्त होने से पहले कुछ क्षण अपने भीतर झांके और स्वयं से पूछें –

आज मेरे भीतर कौन-सा दिव्य गुण सबसे अधिक प्रकट हुआ?

किस नकारात्मक संस्कार ने मुझे चुनौति दी?

क्या मैंने किसी के लिए शुभभावना रखी?

क्या मैंने किसी आत्मा को उसके दाग से नहीं, बल्कि उसके दिव्य स्वरूप से देखने का प्रयास किया?

यही आत्म परीक्षण धीरे-धीरे आत्म परिवर्तन का आधार बनता है।

आइए प्रतिदिन यह संकल्प करें –

"मै पवित्र, शांत, शक्तिशाली, सुख स्वरूप, प्रेम स्वरूप, ज्ञान स्वरूप और आनंद स्वरूप आत्मा हूँ। मेरे मूल संस्कार ही मेरी वास्तविक पहचान है। मै अपने और प्रत्येक आत्मा के भीतर छिपी इसी दिव्यता को देखूंगा, जगाऊंगा और जीवन में प्रकट करूंगा।"

यही आत्म दृष्टि आध्यात्मिक जीवन का सार है और यही स्वर्णिम भविष्य की पहली सीढ़ी भी।



दुमका-झारखंड। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार जी से स्नेह मुलाकात कर पुष्प गुच्छ भेंट करते हुए ब्र.कु. जयमाला। साथ हैं ब्र.कु. रेखा, ब्र.कु. बंटी, ब्र.कु. अंकित एवं ब्र.कु. अर्जुन।



नई दिल्ली। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत 10 करोड़ नशामुक्ति के संबंध में हुई बैठक के पश्चात् समूह चित्र में डॉ. बनारसीलाल शाह, केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया,श्रम,रोजगार,युवा मामले एवं खेल मंत्री,भारत सरकार, ब्र.कु. सुनैना, ब्र.कु. कमला, ब्र.कु. फाल्गुनी, ब्र.कु. प्रवीण तथा अन्य।



गुरुग्राम-ओआरसी(हरियाणा)। ब्रह्माकुमारीज परिवहन और यात्रा प्रभाग द्वारा तीन दिवसीय "राजयोग ध्यान के माध्यम से सुखद यात्रा" विषय पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान सम्बोधित करते हुए अरुणाचल के परिवहन मंत्री माननीय ओजिंग तासिंग। मंचासीन है एमएमए फाइटर एवं पूर्व पहलवान रितु फोगाट, वर्क विद डिग्निटी फाउंडेशन के सीईओ रमा शंकर पांडे, पूर्व राष्ट्रीय क्रिकेटर व मैरी कॉम फाउंडेशन के चेयरमैन हितेश चौधरी, स्थानीय रिट्रीट सेंटर निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, संस्थान के परिवहन एवं यात्रा प्रभाग अध्यक्ष राजयोगिनी ब्र.कु. दिव्या दीदी तथा अन्य।



मोहाली-पंजाब। 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करने के पश्चात् समूह चित्र में नवनिर्वाचित सम्मानित पार्षदगण एवं राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेम दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. रमा दीदी तथा अन्य।



एपी कॉलोनी-गया(बिहार)। विश्व बंधुत्व दिवस पर रक्तदान महाअभियान का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए मगध रेंज आईजी विकाश वैभव, चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष प्रोमोध कुमार भदानी, डॉ. प्रकाश, डॉ. दीपेंद्र अग्रवाल, डॉ. निरंजन, कैलाश डालमिया, उषा डालमिया, राजू अग्रवाल, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुनीता तथा अन्य।



वैशाली-बिहार। ब्रह्माकुमारीज शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर में नशा मुक्ति संकल्प महाअभियान पर चर्चा करने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. सीता, जिला पदाधिकारी श्रीमती वर्षा सिंह, पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा, लालगंज विधायक संजय कुमार सिंह, उप विकास अधिकारी कुंदन कुमार, डॉ. रमेश कुमार सिंह, ब्र.कु. शिव प्रसाद, ब्र.कु. प्रफुल्ल तथा अन्य।



आगरा-आर्ट गैलरी म्यूजियम(उ.प्र.)। विश्व के प्रथम कथाकार, 'भागवत भास्कर' की उपाधि से समलंकृत भागवताचार्य भागवत भास्कर श्री कृष्ण चन्द्र शास्त्री ठाकुर जी महाराज से स्नेह मुलाकात कर संस्था की गतिविधियों से अवगत कराने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मधु बहन। साथ हैं ब्र.कु. माला, डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके एवं ब्र.कु. विकास।



वाराणसी-सारनाथ(उ.प्र.)। 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के अंतर्गत सनबीम स्कूल,चौबेपुर में नशे से मुक्त रहने की प्रतिज्ञा कराने के पश्चात् समूह चित्र में स्कूल प्रेसिडेंट चंद्र कुमार मिश्रा एवं चेयरपर्सन अलका मिश्रा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए मोटिवेशनल ट्रेनर व शाखा सह-प्रभारी ब्र.कु. तापोशी। साथ हैं मीडिया और जनसम्पर्क प्रभारी राजयोग प्रशिक्षक ब्र.कु. विपिन, ब्र.कु. राधिका, ब्र.कु. विपिन एवं प्रिंसिपल तरुण रूपानी।

Pay Directly to: osmorerf@indianbk

Note:- AfterTransferring, please share the screenshot on these number.

(कृपया ट्रांसफर करने के बाद नीचे दिए गए नंबर पर स्क्रीन शॉट भेजें)

संपर्क- M- 9414006096, 9414654344, 9414172087

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया

संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज,शान्तिवन,तलहटी, पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510

Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - ₹-240, तीन वर्ष - ₹- 720

Website: www.omshantimedia.org